

प्रेषक,

अजय सिंह नबियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

पुनर्वास निदेशक,
टिहरी बांध परियोजना,
नई टिहरी ।

सिंचाई विभाग

देहरादून : दिनांक 03 अक्टूबर 2008

विषय: जनपद टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी पर ग्राम डोबरा के निकट भारी वाहन झूलापुल के निर्माण हेतु छठी किस्त का आवंटन ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अधीक्षण अभियन्ता, पुनर्वास टिहरी बांध परियोजना के पत्र संख्या 561/अधी0अभि0(पु0)/डी0-1/बजट/08 दिनांक 17.05.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि टिहरी बांध परियोजना की झील से कटऑफ एरिया के आवागमन के मार्ग झील में समाहित हो जाने के फलस्वरूप झीलपार क्षेत्र की आवागमन की सुविधा के पुनर्स्थापना हेतु ग्राम डोबरा के निकट भागीरथी नदी पर भारी वाहन झूलापुल के निर्माण हेतु रु0 8920.00 (रुपये नवासी करोड़ बीस लाख मात्र) लागत के आगणन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश संख्या 2042/11-2006 12/1 (11)/05 दि0 17.04.06 के द्वारा प्रदान की गयी थी, के क्रियान्वयन हेतु पूर्व में पांच किस्तों द्वारा आवंटित राज्यांश धनराशि रु0 2200.00 लाख के क्रम में छठी किस्त के रूप में संलग्न-1 पर अंकित बी0एम-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा रु0 700.00 लाख (रुपये सात करोड़ मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उसी योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीक का प्रयोग किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयुग्निता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

(2)

- 6- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग की दरों पर आगणन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 8- धनराशि आहरण डी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि0 31.03.09 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा, स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपभोग के बाद ही परिव्यय की उपलब्धता पर अग्रिम किस्त स्वीकृत की जायेगी।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-20 के आयोजनागत मद में मतदेय के लेखाशीर्षक 4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय, 15-टिहरी बांध परियोजना का पुनर्वास, 800-अन्य व्यय, 02-अन्य रखरखाव कार्य, 01-परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास, 24-वृहद् निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 772/XXVII-2/2008 दिनांक 03.10.08 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(अजय सिंह नबियाल)
अपर सचिव

3308
संख्या / 11-2008-12/1(11)/06 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
3. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
4. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी टिहरी।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्न: यथोक्त

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव

निम्नलिखित अधिकारी मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।

प्रशासनिक विभाग, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

दिनांक वर्ष 2008-09 अनुदान संख्या-20

(धनराशि हजार रुपये में)

अनुदान संख्या-20										
कमट प्राधिकार तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अथवावैकिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशिष्ट संतुलित धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद संतुल्य-5 को कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशिष्ट धनराशि (संलग्न-1 में)	अभ्युक्ति			
1	2	3	4	5	6	7	8			
4700-मुख्य सिंचाई पर पूंजीगत परियोजनाएं, 06-सिंचाई विभाग की नयी योजनाएं 800-अन्य व्यय 01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं 0185-ए0आई0पी0 की सिंचाई योजनाएं 24-ग्रहद निर्माण कार्य	158,00,000	89273	1420727	70000	4700-बाद नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परियोजनाएं 15-टिडरी बंध परियोजना का पुनर्वास 800-अन्य व्यय 02-अन्य रख-रखाव कार्य 01-परियोजना प्रभावित क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास 24-ग्रहद निर्माण कार्य	10000	70000	60000	1510000	डोहरा घाटी भारी वाहन पुल का निर्माण 50 प्रतिशत राज्याश तथा 50 प्रतिशत ए0एच0डी0सी0 के अंश से निर्मित किया जा रहा है। ए0एच0डी0सी0 द्वारा मूल लागत रु0 88,20 करोड़ के सापेक्ष अंश रु0 44,60 करोड़ के विरुद्ध रु0 35,00 करोड़ उपलब्ध कराया गया है और राज्याश के रूप में अभी तक रु0 22,00 करोड़ स्वीकृत किया गया है किन्तु शेष राज्याश के लिए योजना में धनराशि उपलब्ध न होने के कारण राज्याश की पूर्ति के लिए केंद्र पोषित योजनाओं से धनराशि रु0 7.00 करोड़ पुनर्विनियोग से स्वीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत है। राज्याश की धनराशि दीये जाने के उपरान्त केंद्र एवं राज्य का अंश संभाल देने पर केंद्र का अंश आवृत्त करने के समकक्ष में पुनर्वास निदेशालय द्वारा स्वीकृत किया गया है।
योग	158,00,000	89273	1420727	70000	10000	70000	80000	1510000		

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त पुनर्विनियोग से कमट मैनुअल के प्रसार 150-156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं योजनाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(एम0एस0डी0लिया)
अनु सचिव

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-2

पत्रांक 772 / (क) / XXVII(2) / 2007
देहरादून दिनांक 03-10-2008

महालेखाकार उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सं० 3308 / 11-2007-33(07) / 2007 दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. वित्त अनुभाग-2।
2. जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, टिहरी।
3. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।

(एस0एस0टोनिया)
अनु. सचिव।

पुनर्विनियोग स्वीकृत


(एस0सी0 जोशी)
अपर सचिव

03/10/2008